

विषय की दिशा ही बदल देने वाला कथन 4. मूल मुद्दे की दिशा बदलने या उसे दूसरी दिशा में प्रवृत्त कर देने वाला कथन जैसे- बात सरकार की उपलब्धियों की चल रही थी, उसने बढ़ती महंगाई का शोशा छोड़ कर दिशा ही बदल दी 5. किसी विषय या बात में दोष देखना, दोष निकालना।

शोशेबाजी स्त्री. (तत्.) 1. किसी बात या स्थिति में दोष निकालना और उसके आधार पर आपत्ति प्रकट करना जैसे- कर्मचारियों की बढ़ती माँगों को देखकर मिल-मालिक ने उनके कामों में कमियाँ निकालकर साधारण आपत्तियाँ प्रकट कर दी और विषय की दिशा ही बदल गई। इसे ही शोशेबाजी कहते हैं।

शोष पुं. (तत्.) 1. खुश्क होने या सूखने की क्रिया अथवा भाव, सूखना, रस या आर्द्रता समाप्त होना, घटना 2. क्षीण होना, क्षय होना 3. 'सूखा' नामक एक बाल रोग जो पोषण की कमी से होता है इसे सुखंडी भी कहा जाता है 4. शरीर के किसी भाग या अंग का क्षीण होना, अपक्षय जैसे- पेशी शोष, संधि शोष आदि।

शोषक वि. (तत्.) 1. सोखने वाला 2. आर्द्रता, नमी आदि चूस लेने या सोख लेने वाला 3. क्षीण या कमजोर कर देने वाला, क्षयकारक 4. अपने लाभ या स्वार्थ की पूर्ति हेतु दूसरे को लूटने वाला, नष्ट करने वाला, अपनी कुटिलता या चालाकी से दूसरों का धन या श्रम चूसने वाला पुं. 1. सोखने या चूसने वाला पदार्थ, अवशोषक, अवशोषी 2. दूसरे व्यक्तियों के श्रम से अनुचित लाभ उठाकर अपना घर भरने वाला व्यक्ति 3. दूसरों का धन हरण करके उन्हें वास्तविक प्राप्य न देकर अपना पेट भर लेने वाला 4. समाज का वह वर्ग जो अधिक से अधिक धन बटोरता चलता है और गरीबों को और अधिक गरीब करता चलता है।

शोषणीय वि. (तत्.) जिसका शोषण हो सके, जिसका शोषण होने को हो, शोषण के योग्य।

शोषना वि. (तत्.) शोषण करना, सोखना।

शोषयितव्य वि. (तत्.) शोषणीय।

शोषयिता वि. (तत्.) दे. शोषक।

शोषापहा वि. (तत्.) मुलेठी

शोषित वि. (तत्.) 1. जिसका शोषण हुआ हो 2. सूखा हुआ या सुखाया गया 3. क्षीण किया हुआ 4. ऐसा व्यक्ति या वर्ण जिसका प्राप्य भाग उसे अन्याय अथवा अनीति के कारण मिल न पाया हो 5. ऐसा कमजोर या बेसहारा व्यक्ति जिसकी मजबूरी का लाभ दूसरे खूब उठाते हो।

शोषी वि. (तत्.) 1. शोषण करने वाला, सोखने वाला, चूसने वाला, शोषक 2. सुखाने वाला।

शोहदा वि. (फा.) 1. व्यभिचारी, लंपट 2. बदमाश, लुच्चा 3. आवारा, गुंडा।

शोहरत स्त्री. (अर.) प्रसिद्धि, ख्याति, यश।

शोहरत पसंद वि. (फा.) 1. जिसे अपनी प्रसिद्धि प्रिय हो 2. जो अपना यश फैलाना चाहता हो, स्वयंश को फैलाने या अर्जित करने का इच्छुक।

शोहरत पसंदी स्त्री. (फा.) 1. प्रसिद्धि-प्रियता 2. अपने यश को फैलाने, विस्तार देने की इच्छा।

शोहरा पुं. (अर.) शोहरत।

शौंग पुं. (तत्.) भारद्वाज ऋषि का एक नाम जो शृंगु के अपत्य थे।

शौंगेय वि. (तत्.) 1. गरुड़ 2. बाज पक्षी।

शौंड पुं. (तत्.) 1. कुक्कुट पक्षी, मुरगा 2. देव-धान्य, पुनेरा 3. शराब आदि पीकर मतवाला या मदहोश हो जाने वाला, मद्यप, शराबी, नशे में चूर व्यक्ति 4. मदिरा बेचने वाला।

शौंडता स्त्री. (तत्.) नशे में मदमस्त या नशे में चूर होने का भाव।

शौंडिक वि. (तत्.) 1. मदिरा-विक्रेता, शराब बेचने वाला, कलवार 2. शराब बेचने का व्यवसाय करने वाली एक उपजाति, कलाल।

शौंडी पुं. (तत्.) 1. शौंडिक नामक प्राचीन कालीन एक जाति विशेष स्त्री. 1. पिप्पली 2. चाब 3. मिर्च।